नईदुनिया

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पेटीएम भुगतान बैंक को बंद करने का आदेश दिया

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लाइसेंस निरस्त किए जाने के बाद परिसमापन की प्रक्रिया शुरू, पूर्व बैंक अधिकारी नियुक्त

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने पेटीएम भुगतान बैंक लिमिटेड को पूर्ण रूप से बंद करने का आदेश जारी करते हुए उसके परिसमापन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को इस न्यायिक निर्णय की जानकारी दी। इससे पहले लगातार नियामकीय प्रावधानों का पालन नहीं किए जाने के कारण बैंक का बैंकिंग लाइसेंस निरस्त कर दिया गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, उच्च न्यायालय ने 8 जुलाई तथा 22 जुलाई, 2026 के आदेशों के आधार पर बैंक के परिसमापन की कार्रवाई को स्वीकृति प्रदान की है। न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम. नायर को बैंक का आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया है। वह 8 जुलाई, 2026 से बैंक के निदेशक मंडल की सभी शक्तियों का प्रयोग कर रहे हैं।

यह कार्रवाई बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। न्यायालय ने आधिकारिक परिसमापक को दोनों अधिनियमों के तहत निर्धारित सभी अधिकारों का उपयोग करने की अनुमति दी है। परिसमापक बैंक की परिसंपत्तियों को अपने नियंत्रण में लेकर उसकी देनदारियों का आकलन करेंगे तथा जमाकर्ताओं और अन्य लेनदारों के दावों का विधिसम्मत निपटारा सुनिश्चित करेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल, 2026 में लगातार नियमों का पालन नहीं किए जाने के कारण पेटीएम भुगतान बैंक का बैंकिंग लाइसेंस निरस्त कर दिया था। उस समय केंद्रीय बैंक ने कहा था कि बैंक का संचालन जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल पाया गया है। लाइसेंस निरस्त करते समय ही भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया था कि बैंक को बंद कराने के लिए वह दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख करेगा।

आधिकारिक परिसमापक न्यायालय द्वारा नियुक्त वह अधिकारी होता है, जो किसी बैंक अथवा कंपनी की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करते हुए उसकी देनदारियों का निर्धारण करता है तथा विधिक प्रक्रिया के अनुसार जमाकर्ताओं और लेनदारों के दावों का निपटारा कराता है।

खास-खबरें

एनर्जी ड्रिंक शब्द हटाने का निर्देश कंपनियों को 90 दिन की मोहलत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश के खाद्य सुरक्षा नियामक ने रेड बुल, स्टिंग, मॉन्स्टर, कैम्पा एनर्जी और हेल एनर्जी सहित प्रमुख पेय कंपनियों को अपने उत्पादों पर 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द तथा इससे जुड़े दावों को हटाने का निर्देश दिया है। नियामक का कहना है कि इन पेय पदार्थों को पीने से शरीर और मस्तिष्क को तुरंत ऊर्जा या ताजगी मिलने जैसे दावे भ्रामक हैं। इसके लिए कंपनियों को लेबल में बदलाव करने के लिए 90 दिन का समय दिया गया है। नियामक के अनुसार, भारत में इस प्रकार के पेय पदार्थों के लिए अलग से कोई मानक निर्धारित नहीं हैं। ऐसे में 'एनर्जी ड्रिंक' के रूप में प्रचार करना उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है। कंपनियों की ओर से कारोबार और ब्रांड छवि पर असर पड़ने संबंधी आपत्तियों को भी नियामक ने स्वीकार नहीं किया। साथ ही स्पष्ट किया गया कि यदि कोई कंपनी निर्णय से असहमत है।

शिवा सीमेंट को ओडिशा में खनन विस्तार की मंजूरी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: जेएसडब्ल्यू सीमेंट की सहायक कंपनी शिवा सीमेंट को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के कुतरा स्थित बिरिंगटोली क्षेत्र में खटकुरबहाल (उत्तर) चूना पत्थर एवं डोलोमाइट खदान के लिए संशोधित पर्यावरणीय स्वीकृति तथा परिचालन की अनुमति प्राप्त हो गई है। कंपनी ने सोमवार को जारी जानकारी में बताया कि इस मंजूरी के बाद अब खदान में प्रतिवर्ष 24 लाख टन डोलोमाइट का खनन किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार, इस खदान में अनुमानित 8.909 करोड़ टन डोलोमाइट का भंडार उपलब्ध है, जिसमें से 4.829 करोड़ टन का खनन किया जा सकता है। नई स्वीकृति मिलने के बाद कंपनी डोलोमाइट का व्यावसायिक खनन और बिक्री भी कर सकेगी।

डोलोमाइट इस्पात, सीमेंट, कांच, अग्निरोधी सामग्री तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल माना जाता है। कंपनी का कहना है कि इस मंजूरी से व्यावसायिक बिक्री का नया अवसर मिलेगा और जेएसडब्ल्यू समूह के भीतर कच्चे माल की उपलब्धता भी अधिक सुदृढ़ होगी।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निलेश नरवेकर ने कहा कि खटकुरबहाल (उत्तर) खदान में गतिविधियों के विस्तार से खनिज संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव होगा। प्रतिवर्ष 24 लाख टन डोलोमाइट के व्यावसायिक उपयोग और बिक्री से कंपनी की आय के नए स्रोत विकसित होंगे तथा ओडिशा में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय नियमों का पालन करते हुए संसाधनों का संतुलित उपयोग उद्योग और क्षेत्र, दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

शिवा सीमेंट का संयंत्र ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमाओं के निकट स्थित है। कंपनी देशभर में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना पर कार्य कर रही है। हाल ही में राजस्थान के नागौर जिले में उसकी नई एकीकृत सीमेंट विनिर्माण इकाई में उत्पादन भी प्रारंभ हुआ है, जिससे कंपनी की कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है।

भविष्य निधि खातों में ब्याज जमा होना शुरू

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भविष्य निधि खातों में 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि जमा करना शुरू कर दिया है। कई सदस्यों को ब्याज जमा होने की सूचना संदेश के माध्यम से मिलने लगी है। हालांकि, जिन सदस्यों को अभी तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ब्याज जमा करने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

सदस्य संदेश की प्रतीक्षा किए बिना संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए चार आधिकारिक माध्यमों से अपने भविष्य निधि खाते की शेष राशि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे यह भी पता लगाया जा सकता है कि उनके खाते में ब्याज की राशि जमा हुई है या नहीं।

संगठन ने हाल ही में भविष्य निधि से धन निकासी के नियमों में भी बदलाव किया है। नए प्रावधान के अनुसार, सदस्य अपने पात्र खाते की पूरी राशि आंशिक निकासी के रूप में नहीं निकाल सकेंगे। अब कुल पात्र शेष राशि का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा खाते में बनाए रखना अनिवार्य होगा, जबकि अधिकतम 75 प्रतिशत राशि ही निकाली जा सकेगी। उदाहरण के तौर पर यदि किसी सदस्य के खाते में पात्र शेष राशि एक लाख रुपये है, तो 25 हजार रुपये खाते में रखना अनिवार्य होगा और शेष 75 हजार रुपये ही निकाले जा सकेंगे।

सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

चांदी 6,543 रुपये और सोना 1,907 रुपये सस्ता, इस वर्ष चांदी में 12 हजार रुपये की कमी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भारतीय बुलियन एवं ज्वेलर्स संघ के अनुसार, एक किलोग्राम चांदी की कीमत 6,543 रुपये घटकर 2 लाख 18 हजार रुपये रह गई। वहीं, 24 कैरेट शुद्धता वाले 10 ग्राम सोने का भाव 1,907 रुपये की कमी के साथ 1 लाख 43 हजार रुपये पर पहुंच गया।

चालू वर्ष के दौरान सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। वर्ष 2026 में अब तक सोने की कीमत में लगभग 10 हजार रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव 1 लाख 33 हजार रुपये से अधिक था, जो अब बढ़कर 1 लाख 43 हजार रुपये पर पहुंच गया है।

इसके विपरीत चांदी इस वर्ष अब तक लगभग 12 हजार रुपये सस्ती हो चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2 लाख 30 हजार रुपये प्रति किलोग्राम था, जो अब घटकर 2 लाख 18 हजार रुपये रह गया है। इस दौरान 29 जनवरी को सोना 1 लाख 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तथा चांदी 3 लाख 86 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वाधिक स्तर पर भी पहुंची थी।

जिंस बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। उनका कहना है कि निवेशक इनमें निवेश कर सकते हैं, लेकिन एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना अधिक उपयुक्त रहेगा। उनके अनुसार वर्ष के अंत तक सोना 1 लाख 60 हजार रुपये तथा चांदी 2 लाख 80 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

सोना और चांदी में निवेश विनिमय कारोबार आधारित निधि के माध्यम से भी किया जा सकता है। इसके लिए निवेशक को अभौतिक खाता खोलना होता है, जिसके माध्यम से इकाइयों की खरीद-बिक्री की जा सकती है।

एचसीएल के स्वर्ण जयंती समारोह में वेतन वृद्धि की मांग गूंजी

- मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मंच पर पहुंचते ही कर्मचारियों ने लगाए नारे
- वीडियो सामाजिक माध्यमों पर वायरल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एचसीएल समूह के 50वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान उस समय अप्रत्याशित स्थिति बन गई, जब समारोह में मौजूद कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी. विजयकुमार के मंच पर पहुंचते ही सभागार में कर्मचारियों ने एक स्वर में वेतन वृद्धि की मांग उठाई। इस घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

कर्मचारियों की नारेबाजी और शोरगुल के बीच भी सी. विजयकुमार शांत और सहज बने रहे। वह मुस्कुराते हुए उपस्थित कर्मचारियों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते रहे। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित भी किया। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान नारेबाजी ने समारोह का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

घटना का वीडियो एक उपयोगकर्ता ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर साझा किया, जिसके बाद वह अन्य सामाजिक माध्यमों पर भी तेजी से प्रसारित होने लगा। इस पर अनेक लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोगों ने इसे कर्मचारियों द्वारा प्रबंधन तक अपनी बात सीधे पहुंचाने का अवसर बताया, जबकि कुछ ने इसे कर्मचारियों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया माना।

सी. विजयकुमार वर्ष 1994 में वरिष्ठ अभियंता के रूप में एचसीएल से जुड़े थे। उन्होंने तमिलनाडु के पीएसजी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी की पढ़ाई की है। वर्ष 2016 से वह कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

एचसीएल की स्थापना वर्ष 1976 में शिव नाडर ने की थी। कंपनी वर्तमान में 60 देशों में कार्यरत है और इसमें 2.23 लाख से अधिक कर्मचारी कार्य करते हैं। कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, क्लाउड और सॉफ्टवेयर आधारित सेवाएं उपलब्ध कराती है। जून 2026 को समाप्त 12 महीनों में कंपनी का समेकित राजस्व 14.8 अरब डॉलर, अर्थात लगभग 1.42 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

शेयर बाजार में मामूली गिरावट, सेंसेक्स 69 अंक लुढ़का

सेंसेक्स 76,765 और निफ्टी 23,985 अंक पर बंद, विदेशी निवेशकों की बिकवाली बरकरार

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच अंततः मामूली गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 69 अंक की गिरावट के साथ 76,765 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 10 अंक फिसलकर 23,985 अंक पर आ गया। दिनभर के कारोबार में बैंकिंग और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली, जिससे बाजार पर दबाव बना रहा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी नरमी दर्ज की गई। ब्रेंट कच्चा तेल लगभग 2.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त दर्ज करने में सफल रहा।

अमेरिकी बाजारों में 27 जुलाई को मिश्रित कारोबार रहा। डाउ जोन्स और एस एंड पी 500 सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि नैस्डैक में हल्की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला भी जारी रहा। पिछले सात दिनों में विदेशी निवेशकों ने 9,400 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 10,312 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। पिछले 30 दिनों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की कुल शुद्ध खरीद 41,685 करोड़ रुपये रही, जबकि विदेशी निवेशकों ने 17,324 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 27 जुलाई को शेयर बाजार में मजबूत तेजी देखने को मिली थी। उस दिन सेंसेक्स 776 अंक की बढ़त के साथ 76,836 अंक पर और निफ्टी 229 अंक चढ़कर 23,996 अंक पर बंद हुआ था।

एनटीपीसी के सीएमडी को मिला छह महीने का कार्यकाल विस्तार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा था। छह महीने का विस्तार 01 मई 2026 से प्रभावी होगा। महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त एनटीपीसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि राष्ट्रपति ने सीएमडी के रूप में श्री सिंह को छह महीने के लिए या इस पद पर नियमित भर्ती होने तक या अगले आदेश तक के लिए अनुबंध के आधार पर सेवा विस्तार दिया है। श्री सिंह वर्ष 2016 से एनटीपीसी के सीएमडी के पद पर हैं। उससे पहले वह गुजरात राज्य विद्युत कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर थे। उनके पास ऊर्जा क्षेत्र में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने वर्ष 1987 में एनटीपीसी में प्रशिक्षु अभियंता के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। वह कई सार्वजनिक तथा निजी ऊर्जा कंपनियों में काम कर चुके हैं। वह एनआईटी कुरुक्षेत्र से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद से प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रम का कोर्स भी पूरा किया है।

प्रवासी भारतीयों के खातों पर बढ़ी ब्याज दरें

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने विदेशी मुद्रा और रुपया जमा योजनाओं पर किया संशोधन

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमा तथा अनिवासी बाह्य रुपया जमा योजनाओं की ब्याज दरों में वृद्धि की है। बैंक की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमा पर अधिकतम ब्याज दर 7.10 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.40 प्रतिशत वार्षिक कर दी गई है। यह दर तीन से चार वर्ष की अवधि वाले सावधि जमा पर लागू होगी।

इसी प्रकार, अनिवासी बाह्य रुपया जमा योजना पर अधिकतम ब्याज दर 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.60 प्रतिशत वार्षिक कर दी गई है। यह दर 36 महीने एक दिन से 45 महीने की अवधि वाले जमा पर लागू रहेगी।

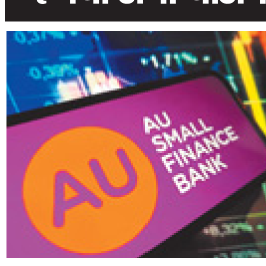

बैंक ने बताया कि बढ़ी हुई ब्याज दरों के साथ नियमानुसार धन प्रेषण पर विदेशी मुद्रा विनिमय अंतर तथा बैंक शुल्क नहीं लिया जाएगा। बैंक का कहना है कि इससे प्रवासी भारतीय बैंकिंग सेवाएं और अधिक आकर्षक बनेंगी।

विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक खाता ऐसा सावधि जमा खाता है, जिसे अनिवासी भारतीय और भारतीय मूल के व्यक्ति भारत में खोल सकते हैं। वहीं, अनिवासी बाह्य रुपया खाता रुपये में संचालित होता है, जिसमें प्रवासी भारतीय अपनी विदेशी आय जमा कर सकते हैं। इस खाते पर मिलने वाला ब्याज करमुक्त होता है तथा जमा राशि को निर्धारित नियमों के अनुसार वापस विदेश भेजने की सुविधा भी उपलब्ध रहती है।

फ्रांस में इन्फोसिस पर लगभग दो करोड़ रुपये का जुर्माना

कर्मचारियों के कार्य घंटों का अभिलेख निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिलने पर श्रम प्राधिकरण की कार्रवाई

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: फ्रांस के श्रम प्राधिकरण ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस पर लगभग 1.75 लाख यूरो, अर्थात करीब दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी की कर्मचारियों के कार्य घंटों का अभिलेख रखने की प्रणाली कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। इन्फोसिस ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में इस मामले की पुष्टि की है। यह जुर्माना फ्रांस के क्षेत्रीय श्रम प्राधिकरण द्वारा लगाया गया है।

प्राधिकरण के अनुसार, वहां लागू श्रम कानून के तहत प्रत्येक नियोक्ता के लिए कर्मचारियों के कार्य घंटों का सही, सटीक और सत्यापन योग्य अभिलेख रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्य अवधि तथा विश्राम अवधि का भी स्पष्ट विवरण सुरक्षित रखना आवश्यक होता है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसकी जांच की जा सके।

फ्रांस में सप्ताह में 35 घंटे कार्य करने का कानूनी प्रावधान लागू है। निर्धारित अवधि से अधिक कार्य कराने की स्थिति में अतिरिक्त कार्य से जुड़े सभी नियमों और अभिलेखों का पालन करना अनिवार्य माना जाता है। इसी व्यवस्था के पालन में कमी पाए जाने पर इन्फोसिस पर यह आर्थिक दंड लगाया गया। मामले के सामने आने के बाद सामाजिक माध्यमों पर कार्य और निजी जीवन के संतुलन को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई। अनेक लोगों ने फ्रांस के श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा पर बल दिया। कुछ लोगों का कहना था कि भारत में भी कार्य अवधि और कर्मचारियों के हितों को लेकर अधिक स्पष्ट और प्रभावी प्रावधान होने चाहिए।

इस मामले को इन्फोसिस के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति के कार्य अवधि संबंधी पूर्व बयानों से भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने भारतीय युवाओं से सप्ताह में 70 घंटे कार्य करने की अपील की थी और अधिक परिश्रम को देश की प्रगति के लिए आवश्यक बताया था।

स्पेशल खबर

विनिर्माण और विद्युत क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से उत्पादन में तेजी, खनन क्षेत्र की वृद्धि रही सीमित

जून में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रही

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक जून माह में वार्षिक आधार पर 7.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दर्ज किया गया। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण, विद्युत एवं गैस आपूर्ति तथा जलापूर्ति से जुड़े क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई, जबकि खनन क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही। पिछले वर्ष जून में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत थी, जबकि इस वर्ष मई में यह 5.0 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

जारी आंकड़ों के अनुसार जून में विनिर्माण क्षेत्र में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, विद्युत एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र का उत्पादन 10.6 प्रतिशत बढ़ा। जलापूर्ति, सीवरेज तथा अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि खनन क्षेत्र में केवल एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही, अर्थात अप्रैल से जून की अवधि में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 5.8 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में 6.3 प्रतिशत तथा विद्युत एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र का सूचकांक छह प्रतिशत बढ़ा, जबकि खनन क्षेत्र में 1.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार जून में विनिर्माण क्षेत्र के 23 उपवर्गों में से 19 उपवर्गों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। इनमें विद्युत उपकरण विनिर्माण क्षेत्र ने 34 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद मोटर वाहन, ट्रेलर एवं अर्द्ध ट्रेलर विनिर्माण क्षेत्र में 17.5 प्रतिशत तथा खाद्य पदार्थ विनिर्माण क्षेत्र में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि के पीछे मोटर वाहन तथा वाहन कलपुर्जा उद्योग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इंस्टामार्ट की कमान अब नंदिता सिन्हा के हाथों में

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: त्वरित वाणिज्य मंच इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमितेश झा ने मंगलवार को तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इंस्टामार्ट की प्रवर्तक कंपनी स्विगी ने उनकी जगह नंदिता सिन्हा को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। वह तीन अगस्त से अपना कार्यभार संभालेंगी। स्विगी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीहर्ष मजेटी को भेजे अपने त्यागपत्र में अमितेश झा ने कहा कि वह कंपनी के बाहर अपने व्यावसायिक जीवन की नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए यह निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और विश्वास के लिए कंपनी के शीर्ष प्रबंधन का आभार भी व्यक्त किया। नंदिता सिन्हा वर्तमान में मिंत्रा का नेतृत्व कर रही हैं। इससे पहले वह फ्लिपकार्ट, ब्रिटानिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी प्रमुख कंपनियों में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुकी हैं। उन्हें परिधान, इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य तथा तीव्र उपभोग वाली उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में व्यापक अनुभव प्राप्त है। बड़े स्तर पर नवाचार और सफल व्यावसायिक मॉडल विकसित करने के लिए भी उन्हें जाना जाता है। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय से शिक्षा प्राप्त की है।